Volume 11, Issue 128, December 2024

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Kartik yatra to Govardhana (24th to 26th October) (IGF, ISKCON Delhi)

A group of 60 devotees under the leadership of H.G. Krishnapriya Prabhu and H.G. Urmila Mataji, did Govardhana parikrama and visited the auspicious lila-sthalis of Gokul, Radha Kund, performing the Bhaulashtami snana.

2-day Govardhan Yatra in Kartik (26th -27th Oct) (Ashraya Program, ISKCON East of Kailash)

Kartik is a sacred month of deep devotion and spiritual austerity. Engaging in devotional practices with Vaishnavas

समाचार

कार्तिक में गोवर्धन यात्रा (24 से 26 अक्टूबर) (आईजीएफ, इस्कॉन दिल्ली)

श्रीमान कृष्ण प्रिय प्रभु एवं श्रीमती उर्मिला माताजी के नेतृत्व में 60 भक्तों के एक समूह ने गोवर्धन परिक्रमा की और बहुलाष्टमी स्नान करते हुए गोकुल, राधा कुंड की पवित्र लीला- स्थलियों का दर्शन किया।

कार्तिक में 2 दिवसीय गोवर्धन यात्रा (26-27 अक्टूबर) (आश्रय कार्यक्रम, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

कार्तिक भक्ति और आध्यात्मिक तपस्या का पवित्र महीना है। व्रज की पवित्र भूमि में वैष्णवों के साथ भक्ति साधना करने से भक्तों के हृदय

in the holy land of Vraja heightens the ecstatic mood of devotion in the hearts of devotees. This blissful opportunity was provided by the Ashraya program. Every year, Ashraya organizes inspiring yatras during the auspicious month of Kartik, creating an uplifting space for devotees to deepen their service and devotion. This year, Ashraya organized a two-day Govardhan Parikrama at the end of October, attracting nearly 2,000 devotees from various age groups. The pilgrimage saw 37 buses filled with enthusiastic devotees, all eager to experience the divine journey. Circumambulating the sacred Govardhan Hill—an act of worship for Radha and Krishna—is considered supremely auspicious. The yatra included not only the divine parikrama of Giriraj but also visits to many revered holy sites nearby, such as Barsana, Nandagaon, Lohvan, Rawal, and many more transcendental locations. Different Ashraya groups, guided by their respective leaders, traveled in a systematic manner to these sacred sites. At each lila-sthali (pastime place), devotees were blessed with narrations of divine stories (katha) and encapturing kirtans, heightening their devotional mood. The two-day parikrama was organized with utmost care to ensure the comfort and joy of all participants. Clean, comfortable accommodations in ashrams were provided, along with timely prasadam for lunch and dinner, and safe, air-conditioned buses for travel. The first day in the holy land of Vraja included visits to nearby spots like Chandra Sarovar and Paitha Gaon, each visit enriched by katha and vibrant kirtans. Devotees enjoyed beautiful darshans at various lila-sthalis, relished prasadam meals, and gathered for an evening program of nectarian katha by H.G. Mohanrupa Prabhu (President, ISKCON East of Kailash) who shared the importance of the Kartik month and the transcendental pastimes of Krishna , blissful kirtan led by H.G. Sarvapriya Prabhu (Vice President, ISKCON East of Kailash) and his team. After this blissful program devotees visited nearby temples and fully absorbed themselves in the spiritual atmosphere of the dham making sure to utilize every moment they get to collect the mercy. The second day began with great enthusiasm for the Govardhan Parikrama. Devotees, energized with packed breakfast prasadam, started early in small groups, visiting numerous holy sites around Giriraj such as Mansi Ganga, Mukharvind, Udhav Kund, Govind Kund, Radha Kund, Shyam Kund, Kusum Sarovar, Poonchri ka Lotha, and Surabhi Kund. Each site was accompanied by ecstatic kirtan, creating precious experiences and unforgettable memories. After completing the parikrama, all devotees were served a delicious lunch prasadam, and, after a short rest, they gathered for an evening filled with soul-stirring kirtan and an insightful lecture by H.G. Mohanrupa Prabhu, who spoke about the significance and blessings of the parikrama and shared the beautiful Damodar pastime. The day concluded with the melodious chanting of the Damodarastakam and a traditional offering of lamps (deep daan), filling the atmosphere with joy, laughter, and the bliss of Krishna consciousness.

Celebrating the life and legacy of H.H. Bhakti Madhurya Govind Swami Maharaja (31st Oct) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The fourth disappearance day of His Holiness Bhakti Madhurya Govinda Swami Maharaja was observed on 31st October. Maharaja had been a driving force behind

में भक्ति की भावना और भी बढ़ जाती है। यह आनंदमय अवसर आश्रय कार्यक्रम द्वारा प्रदान किया गया। हर साल, आश्रय कार्तिक के पावन महीने में प्रेरक यात्राओं का आयोजन करता है, जिससे भक्तों के लिए अपनी सेवा और भक्ति को और भी गहरा करने के लिए एक उत्थानशील स्थान बनता है। इस साल, आश्रय ने अक्टूबर के अंत में दो दिवसीय गोवर्धन परिक्रमा का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न आयु समूहों के लगभग 2,000 भक्त शामिल हुए। तीर्थयात्रा में 37 बसों में उत्साही भक्त शामिल हुए, जो दिव्य यात्रा का अनुभव करने के लिए उत्सुक थे। पवित्र गोवर्धन पहाड़ी की परिक्रमा करना - राधा और कृष्ण की पूजा का एक कार्य - अत्यंत शुभ माना जाता है। इस यात्रा में न केवल गिरिराज की दिव्य परिक्रमा शामिल थी, बल्कि आस-पास के कई पूजनीय पवित्र स्थलों जैसे बरसाना, नंदगांव, लोहवन, रावल और कई अन्य दिव्य स्थानों की यात्रा भी शामिल थी। अलग-अलग आश्रय समूहों ने अपने-अपने नेताओं के मार्गदर्शन में इन पवित्र स्थलों की व्यवस्थित तरीके से यात्रा की। प्रत्येक लीला-स्थली पर, भक्तों को दिव्य कहानियों (कथा) के वर्णन और मनमोहक कीर्तन का आशीर्वाद मिला, जिससे उनकी भक्ति भावना बढ़ गई। दो दिवसीय परिक्रमा सभी प्रतिभागियों के आराम और आनंद को सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत सावधानी से आयोजित की गई थी। आश्रमों में स्वच्छ, आरामदायक आवास प्रदान किए गए थे, साथ ही दोपहर और रात के भोजन के लिए समय पर प्रसाद और यात्रा के लिए सुरक्षित, वातानुकूलित बसें भी उपलब्ध थीं। ब्रज की पवित्र भूमि में पहले दिन चंद्र सरोवर और पैठा गाँव जैसे आस-पास के स्थानों की यात्राएँ शामिल थीं, प्रत्येक यात्रा कथाओं और जीवंत कीर्तन से समृद्ध थी। भक्तों ने विभिन्न लीला स्थलों पर सुंदर दर्शनों का आनंद लिया, प्रसाद का आनंद लिया और एच. जी. मोहनरूप प्रभु (अध्यक्ष, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश) द्वारा अमृत कथा के एक शाम के कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए, जिन्होंने कार्तिक माह के महत्व और कृष्ण की पारलौकिक लीलाओं को साझा किया, एच. जी. सर्वप्रिय प्रभु (उपाध्यक्ष, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश) और उनकी टीम के नेतृत्व में आनंदमय कीर्तन हुआ। इस आनंदमय कार्यक्रम के बाद भक्तों ने पास के मंदिरों का दौरा किया और धाम के आध्यात्मिक वातावरण में खुद को पूरी तरह से लीन कर लिया और यह सुनिश्चित किया कि वे दया प्राप्त करने के लिए हर पल का उपयोग करें। दूसरे दिन गोवर्धन परिक्रमा के लिए बड़े उत्साह के साथ शुरुआत हुई। पैक्ड ब्रेकफास्ट प्रसाद से उत्साहित भक्तों ने छोटे-छोटे समूहों में सुबह-सुबह शुरुआत की और गिरिराज के आसपास के कई पवित्र स्थलों जैसे मानसी गंगा, मुखारविंद, उद्धव कुंड, गोविंद कुंड प्रत्येक स्थल पर आनंदपूर्ण कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे अनमोल अनुभव और अविस्मरणीय यादें बनीं। परिक्रमा पूरी करने के बाद, सभी भक्तों को स्वादिष्ट दोपहर का प्रसाद परोसा गया, और थोड़े आराम के बाद, वे एक शाम के लिए एकत्र हुए, जिसमें आत्मा को झकझोर देने वाले कीर्तन और परम पूज्य मोहनरूप प्रभु का ज्ञानवर्धक व्याख्यान शामिल था, जिन्होंने परिक्रमा के महत्व और आशीर्वाद के बारे में बताया और सुंदर दामोदर लीला को साझा किया। दिन का समापन दामोदरष्टकम के मधुर जाप और पारंपरिक दीपदान (दीप दान) के साथ हुआ, जिसने वातावरण को आनंद, हंसी और कृष्ण चेतना के आनंद से भर दिया।

परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद स्वामी महाराज के जीवन मूल्यों एवं परंपरा का उत्सव (31 अक्टूबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद स्वामी महाराज का चतुर्थ तिरोभाव दिवस 31 अक्टूबर को मनाया गया। महाराज, इस्कॉन पंजाबी बाग के भक्त समुदाय के पार्श्व में एक प्रेरक शक्ति रहे हैं। 15 वर्षों से अधिक समय तक महाराज ने मंदिर को अपना निवास बनाया। उन्होंने अनुभवी

ISKCON Punjabi Bagh's devotee community. Maharaja made the temple his base for more than 15 years. He preached and gave his time to all including seasoned devotees and new visitors. Maharaj's personal Shilas and paraphernalia continue to adorn the altar and premises of the temple. On the day, Maharaj's video lecture was played followed by remembrances and glorification by temple devotees. The program culminated in Pushpanjali and a feast for all devotees.

Deepavali (1st November)

Deepavali is celebrated in different parts of the country. This festival unites the nation and followers of Vedic culture in all parts of the world. This festival marks the return of Lord Rama to Ayodhya, after 14 years of exile. This is also the day on which the sweet pastime of Damodara lila was performed by Lord Krishna. Devotees lit lamps, offered them to the Lord, and sang songs of endearment for the nectarean pastimes of the Lord.

Govardhana Puja (2nd November) (ISKCON, East of Kailash)

To curb the pride of Indra, Krishna expanded Himself as Govardhana. Directing the Vrajawasis to worship Govardhana instead of Indra, Krishna established the exalted position of this transcendental mountain. It housed the most beautiful bowers in which the most intimate pastimes of the divine couple, take place. The Nectar of Instruction also sings the glories of Govardhana. Govardhana puja has been celebrated for the past five thousand years. Gau puja was conducted by feeding jaggery and grains to a cow. A mound of halwa

भक्तों और नए आगंतुकों सहित सभी को उपदेश दिया और अपना समय प्रदान किया। महाराज की निजी शालीग्राम शिलाएँ और साज-सामान मंदिर की वेदी और परिसर की शोभा बढ़ाते हैं। इस विशेष दिवस पर महाराज का वीडियो प्रवचन चलाने के उपरान्त मंदिर के भक्तों द्वारा उनका स्मरण और महिमा मण्डन किया गया। कार्यक्रम का समापन पुष्पांजलि एवं और सभी भक्तों हेतु भोज प्रसादम के साथ हुआ।

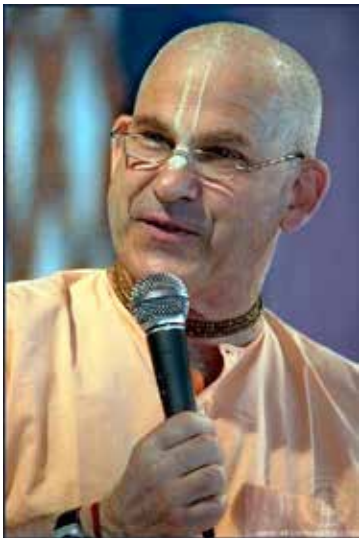

दीपावली (1 नवंबर)

देश के विभिन्न भागों में दीपावली मनाई जाती है। यह एक ऐसा त्योहार है जो देश और दुनिया के सभी हिस्सों में वैदिक संस्कृति के अनुयायियों को एकजुट करता है। यह त्योहार 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त भगवान् राम के अयोध्या आगमन का प्रतीक है। यह वह दिन भी है जिस दिन भगवान् कृष्ण ने मधुर दामोदर लीला की थी। भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर, उन्हें भगवान् को अर्पित किया, और भगवान् की अमृतमयी लीलाओं के प्रेम पूर्ण गीत गाए।

गोवर्धन पूजा (2 नवंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इंद्र के अभिमान को चूर-चूर करने हेतु कृष्ण ने स्वयं को गिर्राज गोवर्धन के रूप में विस्तारित किया। व्रजवासियों को इंद्र के बजाय गोवर्धन की पूजा करने का निर्देश देते हुए, कृष्ण ने इस दिव्य गिर्राज पर्वत की उत्कृष्ट स्थिति स्थापित की। इसमें सर्वाकर्षक कुंज थे जिनमें दिव्य युगल

and rice was constructed. Devotees circumambulated the Govardhana, who was offered a large variety of bhoga.

Govardhana Puja Celebration
(ISKCON, Dwarka)

Govardhana Puja elevated the festive spirit during the auspicious month of Kartik. The celebration began with a discourse on the significance of Govardhana Puja, followed by the revered Gau Puja and aarti. A grand Maha-Abhishek and aarti were then performed for the Govardhana Hill, accompanied by chanting and ecstatic dancing in praise of the Lord's name. The atmosphere was filled with divine joy, and all the devotees experienced a profound sense of bliss.

ISKCON Punjabi Bagh at UN COP29 in Azerbaijan
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The International Value Education Olympiad organized by ISKCON Punjabi Bagh in partnership with the Ministry of Environment, Forest & Climate Change and United Nations Environment Program Faith for Earth, represented the country and all of ISKCON at United Nation's COP29 in Baku, Azerbaijan. A team of 3 leaders of the program traveled to Azerbaijan to present the Olympiad. The presentation highlighted the program's reach and success in imparting value-based education to young minds to create awareness

की सबसे अंतरंग लीलाएँ होती थीं। शिक्षामृत भी गोवर्धन की महिमा गाता है। गोवर्धन पूजा पिछले पांच हजार वर्षों से मनाई जा रही है। गाय को गुड़ और अनाज खिलाकर गौ पूजा की गई। हलवे और चावल का एक टीला बनाया गया। भक्तों ने गोवर्धन की परिक्रमा की, और उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किये गए।

गोवर्धन पूजा उत्सव
(इस्कॉन, द्वारका)

कार्तिक के पावन महीने में गोवर्धन पूजा ने उत्सव भावना को और बढ़ा दिया। उत्सव का शुभारंभ गोवर्धन पूजा के महत्व पर प्रवचन के साथ हुआ, जिसके बाद गौ पूजा और गौ आरती हुई। तत्पश्चात गिरिराज गोवर्धन का भव्य महाअभिषेक और आरती की गई, जिसमें भगवन् नाम का मंत्रोच्चार और स्तुति के साथ उल्लास पूर्ण नृत्य किया गया। वातावरण दिव्य आनंद से भर गया और सभी भक्तों को गहन सुखद अनुभूति हुई।

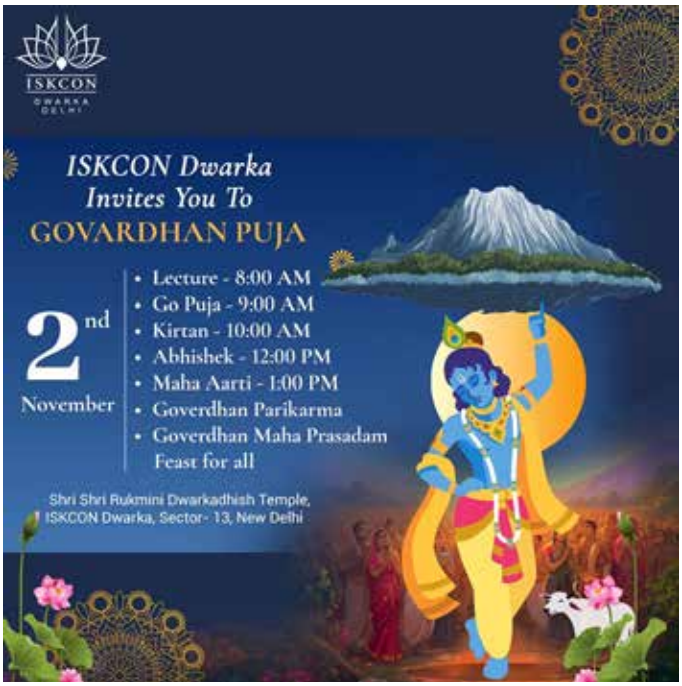

अजरबैजान में UN COP29 में इस्कॉन पंजाबी बाग
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम फेथ फॉर अर्थ की साझेदारी में इस्कॉन पंजाबी बाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड ने बाकू, अजरबैजान में संयुक्त राष्ट्र के COP29 में देश और पूरे इस्कॉन का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम के शीर्ष नेतृत्व में से 3 लोगों की एक टीम ने ओलंपियाड में प्रस्तुति देने हेतु अज़रबैजान की यात्रा की। प्रस्तुतिकरण में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता जागृत करने के लिए युवाओं को मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने में कार्यक्रम की पहुँच और सफलता पर प्रकाश डाला गया। श्रीमान करुणा चंद्र प्रभु, श्रीमान हरिनाम सेवक प्रभु और श्रीमती पापहारिणी माताजी ने अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड (आईवीईओ) टीम का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम में टीम को बुल्गारिया के राष्ट्रपति और कई देशों के संस्कृति मंत्रियों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों से जुड़ने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

गौर निताई उत्सव (3 नवंबर)
(आईवाईएफ, इस्कॉन द्वारका)

द्वारका का IYF, द्वारका भर में भगवान् गौरांग के संदेश को प्रसारित करने तथा आध्यात्मिकता के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। कार्तिक के पवित्र माह के उपलक्ष्य में, भक्त समुदाय में भक्ति

and sensitivity towards the environment. H.G. Karuna Chandra Prabhu, H.G. Harinaam Sevak Prabhu, and H.G. Paapharini Mataji represented the IVEO team. The team also got a chance to connect with several dignitaries at the event including the President of Bulgaria, and the Ministers of Culture of several countries.

Gaur Nitai Utsava (3rd Nov) (IYF, ISKCON Dwarka)

IYF Dwarka is dedicated to promoting the message of Lord Gauranga across Dwarka, fostering a deeper connection to spirituality. In celebration of the auspicious month of Kartik, a special festival was organized to uplift the devotional spirit among the community. The event featured a grand maha aarti to honor the deities, followed by an uninterrupted session of kirtan, offering devotees an immersive experience of divine devotion and spiritual rejuvenation.

IGF's visit to Braja (IGF, ISKCON Punjabi Bagh)

As part of the Kartik celebrations, the ISKCON Girls Forum (IGF) from Punjabi Bagh embarked on a spiritually enriching two-day trip to Braj, diving deep into the transcendental pastimes of Krishna. This short pilgrimage was filled with devotion, enlightening kathas, and heart-touching experiences. The group visited several holy places, including Yavat, Vrinda Kund, Bhandirvan, Bhadravan, and Mansarovar. The group was accompanied by H.G. Mahapurush Prabhu who narrated the significance and pastimes associated with each holy site. H.G. Daivi Shakti Mataji (ACBSP) joined the group for an enlightening session focussing on the role of women in Vedic and modern times. The trip was spiritually inspiring, and nourishing and helped build the divine connection to the lord's pastimes.

Disappearance of Srila Prabhupada (5th November)

Srila Prabhupada carried the gem of Krishna consciousness to the Western world, inundating the whole world with Vedic teachings. He made thousands of devotees all around the world, wrote hundreds of books, and built many magnificent temples. His devotees continue to educate people in the science of Krishna consciousness. His books guide those who seek self-realization amidst Kaliyuga's negatively compelling circumstances. The temples constructed under the aegis of ISKCON, serve as centers to gain training to perfect the rare human birth. Srila Prabhupada's contribution is unparalleled, due to its long-term impact and effect. The disappearance of Srila Prabhupada was celebrated by remembering his

भावना को बढ़ाने हेतु एक विशेष उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विग्रहों के सम्मान में एक भव्य महा आरती की गई, जिसके उपरांत कीर्तन का एक निर्बाध सत्र आयोजित किया गया, जिससे भक्तों को दिव्य भक्ति और आध्यात्मिक कायाकल्प का एक गहन अनुभव प्राप्त हुआ।

आईजीएफ की ब्रज यात्रा (आईजीएफ, इस्कॉन पंजाबी बाग)

कार्तिक उत्सव के भाग के रूप में, पंजाबी बाग से इस्कॉन बालिका मंच (आईजीएफ) ने आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, कृष्ण की दिव्य लीलाओं में गहराई से गोता लगाते हुए, दो दिवसीय ब्रज यात्रा आरंभ की। यह लघु तीर्थयात्रा भक्ति, ज्ञानवर्धक कथाओं एवं हृदयस्पर्शी अनुभवों से आप्लावित थी। समूह ने यावट, वृंदा-कुंड, भांडीरवन, भद्रवन और मानसरोवर सहित कई पवित्र लीला स्थलियों का दर्शन किया। समूह के साथ श्रीमान महापुरुष प्रभु भी थे जिन्होंने प्रत्येक पवित्र स्थल से जुड़ी लीलाओं और उनके महत्व पर प्रकाश डाला। श्रीमति दैवी शक्ति माताजी (एसीबीएसपी) वैदिक और आधुनिक समय में महिलाओं की भूमिका पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक सत्र के लिए समूह में शामिल हुईं। यह यात्रा आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक और पुष्ट करने वाली थी और साथ ही इससे भगवान् की लीलाओं के साथ दिव्य रूप से जुडने में भी सहायता प्राप्त हुई ।

श्रील प्रभुपाद का तिरोभाव दिवस (5 नवंबर)

श्रील प्रभुपाद ने कृष्ण भावनामृत के रत्न को पाश्चात्य जगत तक पहुँचाया और पूरे संसार को वैदिक शिक्षाओं से भर दिया। उन्होंने संसार भर में हजारों भक्त बनाए, सैकड़ों किताबें लिखीं और कई शानदार मंदिर बनवाए। आज भी उनके भक्तगण लोगों को कृष्ण भावनामृत के विज्ञान में शिक्षित करना जारी रखे हुए हैं। उनकी पुस्तकें उन लोगों का मार्गदर्शन करती हैं जो कलियुग की नकारात्मक रूप से विवश करने

instructions and contributions. An abhishek was conducted amidst kirtan and chanting.

Camping in Braj
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Several camps including one-day and weekend trips to Braj were organized by the congregation leaders during Kartik. Over 1000 congregation devotees were able to visit Braj at least once during the month of Kartik due to the facilities arranged by the congregation leaders. Devotees visited several holy sites including Raman Reti, Kamyavan, Barsana, Govardhan, Kusum Sarovar, Vrinda Kund, and Ter Kadamb. Many groups were fortunate to have the association of local Brajwasi ISKCON devotees who guided them to lesser visited places of pastimes.

Shobha Yatra of Krishna Balarama (9th November)

The Annual Krishna Balarama yatra was organised in Old Delhi. Devotees accompanied the chariot of the Lords,

वाली परिस्थितियों के मध्य आत्म-साक्षात्कार की चाहत रखते हैं। प्रभुपाद (इस्कॉन) के तत्वावधान में निर्मित मंदिर दुर्लभ मानव जन्म को पूर्ण करने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करने के केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। अपने दीर्घकालिक प्रभाव और परिणाम के कारण श्रील प्रभुपाद का योगदान अद्वितीय है। श्रील प्रभुपाद के तिरोभाव दिवस का उत्सव उनके निर्देशों और योगदानों को स्मरण करके मनाया गया। कीर्तन और मंत्रोच्चार के मध्य अभिषेक भी किया गया।

ब्रज में कैम्पिंग
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

कार्तिक के अंतर्गत भक्त मण्डली के नेतृत्व द्वारा ब्रज की एक दिवसीय और सप्ताहांत यात्राओं सहित कई शिविर आयोजित किए गए। भक्त मण्डली के नेतृत्व द्वारा व्यवस्थित की गई सुविधाओं के कारण 1000 से अधिक भक्तगण कार्तिक माह में कम से कम एक बार ब्रज की यात्रा कर सके। भक्तों ने रमण रेती, काम्यवन, बरसाना, गोवर्धन, कुसुम सरोवर, वृंदा कुंड और टेर कदम्ब सहित कई पवित्र लीलास्थलीयों के दर्शन किए। कई समूह भाग्यशाली थे कि उन्हें स्थानीय ब्रजवासी इस्कॉन भक्तों का साथ मिला, जिन्होंने उन्हें कम देखे जाने वाले कई पवित्र लीलास्थलीयों की ओर मार्गदर्शित किया।

कृष्ण बलराम की शोभा यात्रा (9 नवंबर)

पुरानी दिल्ली में वार्षिक कृष्ण बलराम यात्रा का आयोजन किया गया। भक्त नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए भगवान् के रथ के साथ चल रहे थे। उत्साह के साथ नृत्य करते हुए, लोगों के शाश्वत लाभ हेतु दिव्य साहित्य वितरित करते हुए, भक्त सेवा में लगे हुए थे। विभिन्न पड़ावों पर आस्थावान लोगों द्वारा भगवान् को भोग एवं आरती अर्पित की गई। कार्यक्रम का समापन संस्था के वरिष्ठ सदस्यों के प्रसाद एवं प्रवचन के साथ हुआ। विग्रहों को दीप अर्पित किये गये।

singing and chanting. Dancing with fervour, distributing transcendental literature for the eternal benefit of the people, devotees engaged in service. Bhoga and arti was offered to the Lord at various stops, by faithful people. The program culminated with prasadam and discourses by senior members of the society. Lamps were offered to the deities.

Bhakti Shastri Batch Graduates
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A group of 75 devotees completed their Bhakti Shastri degree and course in November. The course began in June last year and included 3 hours of classroom teaching each weekend. All sessions were conducted by temple residents including H.G. Premanjana Prabhu, H.G. Visnu Vaahan Prabhu, H.G. Rupa Sanatan Prabhu, and H.G. Aja Nitai Prabhu. The central instructor for the degree was H.G. Sundar Krishna Prabhu (Vice President, of Congregation at ISKCON Punjabi Bagh). The course had an outstanding completion rate with 94% of the enrolled candidates completing their degree.

Kartik at ISKCON Punjabi Bagh: Magnïcent and Sweet
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The entire community came together in huge numbers to celebrate the month of Kartik. The celebrations were bigger than any other year before - over 45,000 lamps were offered during deep daan in the evenings, over 11,000 leaf cups of morning mangala kheer were distributed, more than 400 devotees attended the mangala arati each day, over 80 prabhat pheris were organized, over 100 dipa-dana programs were organized at different locations across

भक्ति शास्त्री बैच स्नातक
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

75 भक्तों के एक समूह ने नवंबर में अपना भक्ति शास्त्री पाठ्यक्रम एवं उपाधि सम्पन्न की। पाठ्यक्रम पिछले वर्ष जून में आरम्भ हुआ था और इसमें प्रत्येक सप्ताहांत में 3 घंटे का कक्षा शिक्षण शामिल था। सभी सत्र श्रीमान प्रेमांजन प्रभु, श्रीमान विष्णु वाहन प्रभु, श्रीमान रूप सनातन प्रभु, एवं श्रीमान अज निताई प्रभु सहित मंदिर के निवासी भक्तों द्वारा आयोजित किए गए थे। पाठ्यक्रम के केंद्रीय प्रशिक्षक श्रीमान सुंदर कृष्ण प्रभु (इस्कॉन पंजाबी बाग में कॉंग्रेगेशन के उपाध्यक्ष) थे। पाठ्यक्रम की पूर्णता दर उत्कृष्ट रही और नामांकित उम्मीदवारों में से 94% ने अपनी डिग्री पूरी कर ली।

मधुर एवं शानदार कार्तिक उत्सव:
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

कार्तिक माह का उत्सव मनाने हेतु पूरा भक्त समुदाय भारी संख्या में एक साथ आया। इस बार यह उत्सव पिछले किसी भी वर्ष की तुलना में बड़ा रहा – संध्या काल में दीप दान के दौरान 45,000 से अधिक दीपक अर्पित किये गए, सुबह की मंगला खीर के 11,000 से अधिक दौने वितरित किए गए, प्रत्येक दिन 400 से अधिक भक्त मंगला आरती में शामिल हुए, 80 से अधिक प्रभात फेरी आयोजित की गईं, पश्चिमी दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर 100 से अधिक दीप-दान कार्यक्रम आयोजित किए गए और मंदिर प्राँगण (आँगन में) गौर निताई के लिए महीने में 10 दिन पालकी यात्रा निकाली गई। ऐसे सभी उत्सवों में, गोवर्धन पूजा, दीपावली, और श्रील प्रभुपाद के तिरोधान दिवस के उत्सव में भी हज़ारों भक्त शामिल हुए। ऐसे उत्सवों में भक्त समुदाय के प्रत्येक सदस्य की आनंदपूर्ण भागीदारी और सेवा की आवश्यकता होती है।

West Delhi, and Palki Yatra for Gaur Nitai was taken out in the temple courtyard for 10 days in the month. Among all such celebrations, Govardhan Puja, Deepavali, and Srila Prabhupada's disappearance day festivities weren't missed out. Such celebrations necessitated joyful participation and service from each member of the devotee community.

Disappearance of Srila Gaura Kishore Dasa Babaji Maharaja (12th November) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Gaura Kishore Dasa Babaji Maharaja's disappearance was celebrated with Pushpanjali and kirtan. Devotees reminisced about the teachings of the austere acharya, who set high standards for focussing on Krishna consciousness. He led a life of renunciation, taking only one disciple in the form of Srila Bhakti Siddhanta Sarasvati Thakura.

End of Caturmasya (15th November)

The auspicious Caturmasya ended with the culmination of the Kartik festival, on 15th November.

Book Distribution Begins (15th Nov) (ISKCON, East of Kailash)

Distribution of transcendental literature is one of the chief objectives of ISKCON. This literature is potent due to being passed on in the bonafide parampara, as it is. Devotees undertake the distribution of these books, every year. Traffic lights, busy shopping malls, narrow streets, and crowded market squares, devotees are visible everywhere, trying to attract the attention of the fast-milling hordes of people. The marathon will see devotees make innumerable efforts to distribute these 'ticking time bombs' for the eternal benefit of humanity. To apprise visitors of this marathon the temple hall houses a vibrant diorama of a city filled with a display of transcendental literature. It showcases how the book marathon is taken up as a primary welfare activity by the members of the community of ISKCON.

IYF Punjabi Bagh kicks off the book distribution marathon (15th Nov) (IYF, Punjabi Bagh)

The Youth Forum at ISKCON Punjabi Bagh kicked off its book distribution marathon in an opening ceremony held on 17th November at the temple premises. At the event, the youth forum divided itself into 7 teams, with each team led by a group leader. Most of these leaders are newly

श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (12 नवंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव उत्सव पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने तपस्वी आचार्य की शिक्षाओं का स्मरण किया, जिन्होंने कृष्ण भावनामृत पर ध्यान केंद्रित करने हेतु उच्च मानक स्थापित किए थे। उन्होंने श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर के रूप में केवल एक ही शिष्य को स्वीकार कर त्याग का जीवन व्यतीत किया।

चतुर्मास्य का समापन (15 नवंबर)

15 नवंबर को कार्तिक उत्सव के समापन के साथ शुभ चातुर्मास्य भी सम्पन्न हो गया।

पुस्तक वितरण प्रारंभ (15 नवंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

दिव्य साहित्य का वितरण इस्कॉन के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। यह साहित्य, प्रामाणिक परम्परा में यथारूप प्रसारित होने के कारण अत्यन्त

appointed and are enthused to break all previous records. New leadership is also bringing in fresh ideas to reach out to more seekers in December this year. As part of the ceremony, all 7 groups took a collective pledge to distribute 20,000 Bhagavad Gitas during the marathon.

Children's Day Celebration (15th Nov) (ISKCON, Dwarka)

On the occasion of Children's Day, a special program was organized on the temple premises. The celebration was aimed to dovetail enthusiasm, creativity, and beautiful minds of young kids towards the lotus feet of beautiful flute playing Lord Krishna. Attractions for the program were the Murli Competition, drawing competition, fancy dress competition, and dance by kids. The program came to completion with Kirtan followed by Prasadam.

Disha Fest (17th November) (IGF, East of Kailash)

ISKCON Girls' Forum is committed to encouraging young girls to take up the study of scriptures to perfect their human birth. It aims at educating them to become equipped to deal with the challenges of life in Kaliyuga as well as strive and aim for the highest goal of attaining Krishna prema. Almost 300 girls assembled in the auditorium of ISKCON Delhi, to witness a complete spiritual panorama of dance, drama, debate, seminar, rock dance and dashavtara dance. Kavya Budhiraja, an advocate was the Guest of Honour. The program was a resounding success, with kirtan and chanting being in the background of all items and the foreground of all knowledge shared.

51st Anniversary of the installation (21st November) (ISKCON, East of Kailash)

The installation of Sri Sri Radha Parthasarathi was a monumental milestone in not only in the history of ISKCON but also the history of the capital region of Delhi. Since Their installation, Their Lordships have been weaving magic visible through the mushrooming of more than two dozen temples around this region. These have resulted in making lacs of devotees and the spread of

प्रबल है। भक्त प्रतिवर्ष इन पुस्तकों का वितरण करते हैं। ट्रैफिक लाइटें, व्यस्त शॉपिंग मॉल, संकरी गलियां और भीड़ भरे बाजार एवं चौराहे पर, हर जगह भक्त दिखाई दे रहे हैं, जो तेजी से बढ़ती भीड़ का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। मैराथन में भक्तों को मानवता के शाश्वत लाभ हेतु इन 'समय निर्धारित शक्तिशाली टाइम बमों' को वितरित करने हेतु अपार प्रयास करते हुए देखा जाएगा। इस मैराथन के विषय में आगंतुकों को अवगत कराने हेतु मंदिर हॉल में दिव्य ग्रँथों के प्रदर्शन से भरे शहर का एक जीवंत नमूना रखा गया है। यह दर्शाता है कि इस्कॉन समुदाय के सदस्यों द्वारा पुस्तक मैराथन को प्राथमिक कल्याणकारी गतिविधि के रूप में कैसे लिया जाता है।

IYF पंजाबी बाग ने पुस्तक वितरण मैराथन का शुभारंभ किया (15 नवंबर) (आईवाईएफ, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में युवा मंच ने 17 नवंबर को मंदिर परिसर में आयोजित एक उद्घाटन समारोह में अपने पुस्तक वितरण मैराथन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में, युवा मंच ने स्वयं को 7 दलों में विभाजित किया, प्रत्येक दल का नेतृत्व एक समूह नेता ने किया। इनमें से अधिकांश नेता नवनियुक्त हैं और पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करने हेतु उत्साहित हैं। ये नवीन नेतृत्व इस वर्ष दिसंबर में अधिक इच्छुक व्यक्ति तक पहुँचने हेतु नवीन विचार भी ला रहा है। समारोह के भाग के रूप में, सभी 7 दलों ने मैराथन के दौरान 20,000 भगवद गीता वितरित करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

बाल दिवस समारोह (15 नवंबर) (इस्कॉन, द्वारका)

बाल दिवस के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव का उद्देश्य छोटे बालकों के उत्साह, रचनात्मकता और निश्चल मन को सुंदर बांसुरी बजाते हुए भगवान् कृष्ण के कमल चरणों के प्रति आकर्षित करना था। कार्यक्रम का आकर्षण बाँसुरी वादन प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और बच्चों का नृत्य रहा। कार्यक्रम का समापन कीर्तन के उपरान्त भोज प्रसादम के साथ हुआ।

दिशा उत्सव (17 नवंबर) (आईजीएफ, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन गर्ल्स फोरम, युवा बालिकाओं को अपने मानव जन्म को श्रेष्ठ बनाने हेतु धर्मग्रंथों का अध्ययन करने को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य उन्हें कलियुग में जीवन की चुनौतियों से निपटने को शिक्षित करना और साथ ही कृष्ण प्रेम प्राप्ति के उच्चतम मानक को लक्ष्य बनाना एवं उसकी प्राप्ति हेतु प्रयास करना है। नृत्य, नाटक, वाद-

Krishna consciousness at a great speed. The installation was marked with a grand abhishek and a shobha yatra around the campus. These were attended by thousands. A large number of bhoga items were offered, followed by sumptuous prasadam.

विवाद, सेमिनार, रॉक डांस और दशावतार नृत्य का संपूर्ण आध्यात्मिक परिदृश्य देखने हेतु लगभग 300 बालिकाएं इस्कॉन दिल्ली के सभागार में एकत्रित हुईं। काव्या बुद्धिराजा, एक वकील एवं सम्मानित अतिथि थीं। यह कार्यक्रम एक शानदार सफल कार्यक्रम रहा, जिसमें कीर्तन एवं मंत्रोच्चार सभी प्रस्तुतिओं की पृष्ठभूमि में और साझा किए गए सभी ज्ञान के अग्रभूमि में थे।

श्री श्री राधा पार्थसारथी जी की स्थापना की 51वीं वर्षगांठ

(21 नवंबर)

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री श्री राधा पार्थसारथी की स्थापना न केवल इस्कॉन के इतिहास में अपितु दिल्ली राजधानी क्षेत्र के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनी। अपनी स्थापना के पश्चात ही, परम भगवान्, इस क्षेत्र के चारों ओर दो दर्जन से अधिक मंदिरों के बनने के माध्यम से दृष्टिगोचर हो रहे चमत्कार को मूर्त रूप दे रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप लाखों भक्त बन गए और कृष्ण भावनामृत का प्रसार तीव्र गति से हुआ। स्थापना को भव्य अभिषेक और परिसर के चारों ओर एक शोभा यात्रा के साथ चिह्नित किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भारी मात्रा में भोग सामग्री अर्पित की गई, तत्पश्चात शानदार भोज प्रसाद वितरित किया गया।

अग्निदेव प्रभु की वापसी (22 नवंबर)

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

एक अंतराल के पश्चात, श्रीमान अग्निदेव प्रभु (एसीबीएसपी) एक विशेष कीर्तन सँध्या हेतु इस्कॉन पंजाबी बाग पुनः पधारे। उनकी उपस्थिति की प्रतीक्षा कर रहे कई भक्त उन मधुर धुनों का आनंद लेने हेतु प्रस्तुत हुए, जिनसे अग्निदेव प्रभु ने पवित्र नामों को संजोया था। अग्निदेव प्रभु वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में निवास और सेवा कर रहे हैं, और पूर्वी एवं पश्चिमी दोनों ही वाद्ययंत्रों का उपयोग करके बहु-सांस्कृतिक संगत के साथ गौड़ीय वैष्णव भजन और कीर्तन गाने के लिए प्रसिद्ध

Agnidev Prabhu returns (22nd Nov) (ISKCON, Punjabi Bagh)

After a hiatus, H.G. Agnidev Prabhu (ACBSP) returned to ISKCON Punjabi Bagh for a special Kirtan evening. Many devotees awaiting his presence came over to relish the sweet melodies with which Agnidev Prabhu adorned the holy names. Agnidev Prabhu currently resides and serves in the USA, and is renowned for singing Gaudiya Vaishnav bhajans and kirtans with multi-cultural accompaniment, using both Eastern and Western instruments. In addition to his soul-stirring vocals, he is a master mridanga and harmonium player.

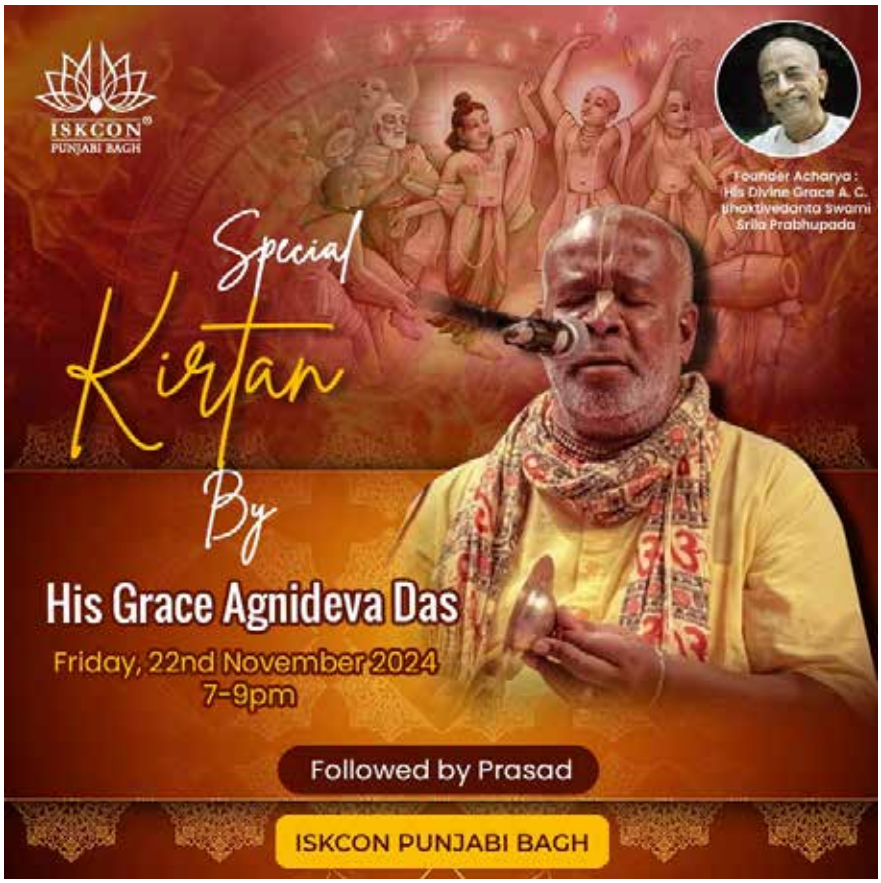

IVEO 2024 comes to a close with its felicitation ceremony (24th Nov) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The International Value Education Olympiad organized by ISKCON Punjabi Bagh in partnership with the Ministry of Environment, Forest & Climate Change and United Nations Environment Program Faith for Earth closed its 2024 edition with a felicitation ceremony held at the auditorium in ISKCON East of Kailash. The Chief Guest at the felicitation ceremony was Shri Bhupender Yadav (Union Minister of Environment, Forest and Climate Change) and other dignitaries included Shri Sandeep Singh (State Minister for Basic Education, UP Govt.), HH Guru Prasad Swami Maharaj (ISKCON GBC Chairman), H.G. Gauranga Prabhu (ISKCON GBC & Director, GEV). Winners from among nearly 5.5 lakh students who participated in the Olympiad were handed over their awards and prizes at the felicitation ceremony. The ceremony ended with a gala dinner for all the winners, parents, and other attendees.

हैं। अपने हृदय स्पर्शी गायन के अतिरिक्त, वह एक कुशल मृदंग और हारमोनियम वादक हैं।

आईवीईओ 2024 सम्मान समारोह के साथ समपन्न हुआ (24 नवंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम- फेथ फॉर अर्थ की साझेदारी में इस्कॉन पंजाबी बाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड ने इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के सभागार में आयोजित एक सम्मान समारोह के साथ अपने 2024 संस्करण का समापन किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि, श्री भूपेन्द्र यादव (केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री) थे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री संदीप सिंह (बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री, यूपी सरकार), परम पूज्य गुरु प्रसाद स्वामी महाराज (इस्कॉन जीबीसी अध्यक्ष) शामिल थे। श्रीमान गौरांग प्रभु (इस्कॉन जीबीसी और निदेशक, जीईवी)। ओलंपियाड में भाग लेने वाले लगभग 5.5 लाख छात्रों में से विजेताओं को सम्मान समारोह में उनके पुरस्कार एवं पारितोषक सौंपे गए। समारोह सभी विजेताओं, अभिभावकों एवं अन्य उपस्थित लोगों के लिए रात्रि भोज प्रसादम के साथ समपन्न हुआ।

DOOR-TO-DOOR

The Enduring Legacy

Distribution of transcendental literature going door-to-door is a Vaisnava tradition. Lord Nityananda and Haridas Thakur went door-to-door in Nadia, tolerating all insults and attacks, distributing Krishna's message.Srila Prabhupada carried forward this mission distributing BTGs door-to-door in Delhi before coming to the US. After he founded ISKCON, devotees all around the world have been going out and distributing his books at peoples' doors.

Captive Audience

Unlike distributing books to passers-by on the streets, you have a captive audience here. There is no need to chase and stop them, rather when you knock on their doors, people come up to you (to open the door) and talk. This takes away a lot of pressure. Moreover, physically also, this may be less taxing than distribution on streets as you're less exposed to the elements.

Chance to Develop Relationship

If a person takes a book, then it's easier to follow up with them since you know where they live. You can establish relationship with an interested person by revisiting them with prasadam, inviting them to events or local nama-hatta/Bhakti-vraksa programs.

How to Approach, What to Say

Pray hard to your Guru Maharaja, Srila Prabhupada, the Parampara and the Panca Tattva. Beg for their mercy on the souls you're about to approach, beg for mercy for yourself to stay in the right consciousness of being a humble instrument in Their hands. It's best to approach a house in a group of ideally two or maximum, three. More than that is crowd and may be intimidating to the person.

Approach the door and ring the door-bell if there

is one. If there is not one, then firmly knock on the door two or three times. Then wait for a minute. While you wait, stand right in front of the peep-hole with your partner so the person inside can see you clearly. Smile while you wait. If there is no response, then knock firmly again after waiting for a minute. Sometimes, if there is TV playing loud, you may have to knock hard.

When they don't open the door

Sometimes, people will yell from inside, "Who is it?" This is a very common response you'll get to your knocking. Your answer should be something short and generic:

- "We're devotees giving out books on yoga and meditation in the neighborhood."
- "We're devotees increasing awareness about the benefits of yoga and passing out some books."

Come up with something short and sweet, honest & direct, something they can relate to in a second. Many times they will shout back, "No thank you,"

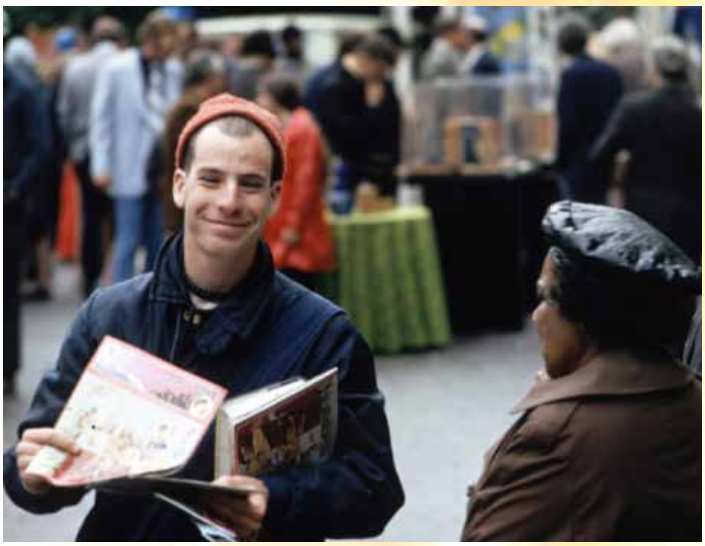

from inside. Just thank them and move on. This is the worst response you'll get from people.

Approach the door and ring the door-bell if there is one. If there is not one, then firmly knock on the door two or three times. Then wait for a minute. While you wait, stand right in front of the peep-hole with your partner so the person inside can see you clearly. Smile while you wait. If there is no response, then knock firmly again after waiting for a minute. Sometimes, if there is TV playing loud, you may have to knock hard.

The Do's and Don'ts

First thing is to always keep some books (in a box or a bag) in your car. You cannot distribute unless you have books. Not having them gives the mind an excuse to dilly-dally and postpone. Having them with you creates a desire to give them out.

☑ Presenting Books

Don't present books to children/ minors: If a child opens the door, ask the child if his or her parents are home and ask to speak with them. Don't try to give the book to the child/minor. This will irritate the parents.

☑ Managing Time

Don't stay in one place too long: If a family invites you inside, then don't spend excessive time inside as you're loosing valuable time to distribute books at other houses. Try to keep your stay under 10 minutes and arrange to come back to visit them later. Politely explain that you're on a mission to reach many people.

☑ Being Polite

Don't knock on same door twice: If a person has rejected your offer, keep track of his apt. and don't knock again on a later visit. This annoys people.

***Don't haggle over money.**

What To Bring

- Books (in hand).
- Book-bag (to carry extra books).
- Prasadam (optional)for distribution.
- Fliers

Upcoming events:

आगामी कार्यक्रम

Mokshda Ekadashi- The advent of Srimad Bhagavad Gita (11th December)

Krishna recited the Srimad Bhagavad Gita, on the battlefield of Kurukshetra, to instruct His dear devotee and friend, Arjuna. These instructions have travelled, unaltered through five thousand years, to guide those who seek the shelter of the Supreme Personality of Godhead. This most practical treatise of human life is capable of freeing us from the cycle of birth and death. Bhagavad Gita has been accepted, all over the world, as the most popular religious text, followed by millions of people, irrespective of nationality, race, colour, creed. The advent of Srimad Bhagavad Gita will be celebrated on 11th December. Devotees will come together to recite the whole Gita. They will go out to distribute this transcendental literature.

Disappearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (19th December)

Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura's disappearance will be celebrated with Pushpanjali, kirtan and a feast. The 'lion Guru' took on the degrading, ritualistic smartha brahmins of society to revive pure Vaishnavism, based on the teachings of Chaitanya Mahaprabhu.

मोक्षदा एकादशी - श्रीमद्भगवद गीता का प्रादुर्भाव (11 दिसंबर)

कृष्ण ने अपने प्रिय भक्त और मित्र, अर्जुन को निर्देश देने हेतु, कुरूक्षेत्र के युद्धस्थल में, श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया। ये निर्देश, उन लोगों का मार्गदर्शन करने हेतु, जो परम भगवान् की शरण चाहते हैं, पाँच हज़ार वर्षों तक अपरिवर्तित रहे हैं। मानव जीवन का यह सबसे व्यावहारिक ग्रंथ, हमें जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त कराने में सक्षम है। भगवद गीता को सारे जगत के सबसे लोकप्रिय धार्मिक ग्रंथ के रूप में स्वीकार किया गया है, जिसका पालन राष्ट्रीयता, नस्ल, रंग, पंथ से निरपेक्ष होकर लाखों लोग करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता का प्रादुर्भाव 11 दिसंबर को मनाया जाएगा। श्रद्धालु एकत्रित होकर संपूर्ण गीता का पाठ करेंगे। वे इस दिव्य साहित्य का वितरण करने निकलेंगे।

श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस (19 दिसंबर)

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। 'सिंह गुरु' ने चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं पर आधारित, शुद्ध वैष्णववाद को पुनर्जीवित करने हेतु समाज के अपमानजनक, कर्मकांडी स्मार्त ब्राह्मणों का डट कर सामना किया।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**